CNEWS सिटी चीफ

वर्ष-15, अंक-195

पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

आज का विचार

भावनाओं को समझने के लिए शब्दों का साथ चाहिए, और रिश्ता निभाने के लिए मन में विश्वास चाहिए।

बिहार सिटी चीफ

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

बिहार, रविवार, 20 अक्टूबर 2024

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

BJP से आरसीपी सिंह का मोहभंग

अब बनाएंगे खुद की पार्टी, जेडीयू सांसद ने कहा- टाइगर जिंदा नहीं मुर्दा है

पटना। बिहार में अगले साल विधानसभा के चुनाव हैं। आगामी विधानसभा चुनाव से पहले नई-नई राजनीतिक दलों का गठन होना शुरू हो चुका है। इसका संकेत आरसीपी सिंह के समर्थकों ने दिया है। पूर्व केंद्रीय मंत्री आरसीपी सिंह खुद की एक पार्टी बनाने वाले हैं। उनका भारतीय जनता पार्टी से मोहभंग हो गया है।

पटना की सड़कों पर लगे पोस्टर

आरसीपी सिंह ने मई 2023 में बीजेपी में शामिल हुए थे। इससे पहले वह जेडीयू में थे। वहीं, अब नई पार्टी बनाए जाने का संकेत देते हुए पटना की सड़कों पर उनके समर्थकों ने टाइगर जिंदा है का पोस्टर लगाया गया है।

जेडीयू सांसद ने दी प्रतिक्रिया

आरसीपी सिंह द्वारा नई पार्टी बनाए जाने पर जेडीयू सांसद की प्रतिक्रिया सामने आई है। टाइगर जिंदा है के सवाल पर नालंदा के जेडीयू सांसद कौशलेंद्र कुमार ने कहा कि जंगल अगर पटना में होगा तभी न शेर जिंदा है। सभी को मालूम है कि पटना में जंगल नहीं है तो फिर पटना में शेर जिंदा कैसे हो गया?

टाइगर जिंदा नहीं मुर्दा है- जेडीयू सांसद

इसके साथ ही जेडीयू सांसद कौशलेंद्र कुमार ने कहा कि जो मुर्दा लोग हैं। वह अपने आप को टाइगर बता रहे हैं। बिना जंगल के शेर जिंदा नहीं रह सकता है। इसलिए टाइगर जिंदा नहीं बल्कि मुर्दा है।

पार्टी बनाने का अधिकार सभी को

आरसीपी सिंह के पार्टी बनाने के सवाल पर उन्होंने कहा कि पार्टी बनाने का अधिकार सभी को है। बिहार में एनडीए गठबंधन और इंडिया महागठबंधन दो ही दल हैं। एनडीए गठबंधन में नीतीश कुमार के शासनकाल में जो विकास हुआ है, जनता उसी विकास के नाम पर नीतीश कुमार को वोट देते आ रही है।

दोनों ही नेता नालंदा जिले के

जेडीयू सांसद कौशलेंद्र कुमार ने पूर्व केंद्रीय मंत्री आरसीपी सिंह को सलाह देते हुए कहा कि नीतीश कुमार और आरसीपी सिंह दोनों नालंदा जिले के हैं। ऐसी स्थिति में आरपीसी को पार्टी नहीं बल्कि बीजेपी में रहना चाहिए था।

जनता दरबार लगा रहे जेडीयू सांसद

बता दें कि नालंदा सांसद कौशलेंद्र कुमार इन दिनों अपने गृह क्षेत्र में मौजूद हैं। अपने इलाकों का भ्रमण कर लोगों से मिलकर उनकी समस्याएं सुन रहे हैं।

साथ ही वह घर पर ही जनता दरबार भी लगा रहे हैं।

29 अक्तूबर को तवांग में समापन

वायु सेना की वीर विजेता रैली का दरभंगा एयरफोर्स स्टेशन पर हुआ स्वागत

वायु सेना दिवस के अवसर पर 8 अक्तूबर को एयरफोर्स के द्वारा शुरू किया गया वायु वीर विजेता कार रैली दरभंगा एयरफोर्स पहुंची। इस कार रैली का मकसद देश के युवाओं में देश सेवा के लिए वायु सेना में भर्ती होने के प्रेरित करने और भारत माता की रक्षा करने का युवाओं के जबा पैदा करना है। इस कार रैली का नेतृत्व भारतीय वायु सेना का एडवेंचर सेल के द्वारा किया जा रहा है।

इसकी शुरुआत दिल्ली के इंडिया गेट से की गई थी, जिसका समापन 29 अक्तूबर को अरुणाचल प्रदेश के तवांग में खत्म हो जाएगा। इस दौरान कई रायों से गुजरकर करीब सात हजार किलोमीटर की दूरी इसमी शामिल जवान करेंगे। दरभंगा एयरफोर्स स्टेशन के ग्रुप कैप्टन सह कमांडेंट विनेश राकेश और उनकी टीम के द्वारा इस कार रैली में शामिल जवानों अधिकारियों का भव्य तरीके से स्वागत किया गया।

बताया गया कि यह वीर विजेता कार रैली का शुभारंभ 1 अक्तूबर को दिल्ली के इंडिया गेट से शुरू किया गया था, लेकिन इसे विधिवत रूप से वायु सेना दिवस 8 अक्तूबरको लद्दाख के थाइस वायु सेना केंद्र आरम्भ हुआ जो 29 अक्तूबर को

अरुणाचल प्रदेश के तवांग में इसका समापन होगा। इस रैली में कुल 52 वायु सेना केंद्र के वीर जवान शामिल है, जिनमें महिलाओं की भागीदारी की अछी खासी है।

इन सभी वायु सैनिकों का हौसला बढ़ाने के लिए इनके टीम में कुछ सेना से रिटायर्ड हो चुके अधिकारी भी साथ चल रहे है। इस संबंध में वीर विजेता रैली में साथ चल रहे रिटार्यड विंग कमांडर के के शुक्ल ने बताया कि यह रैली वायु सेना दिवस के अवसर पर शुरू की गई है, जिसका समापन 29 अक्तूबर को अरूणाचल प्रदेश के तवांग में समाप्त होगा। इस दौरान रास्ते में पड़ने वाले सभी शहीद स्मारक है, उनको हम श्रद्धांजलि देंगे।

महिला की मौत पर मायके वालों का आरोप

सुसराल वालों ने पीट पीटकर की हत्या; जांच में जुटी पुलिस

मुंगेर। मुंगेर के कासिम बाजार थाना क्षेत्र के अड़गड़ा मोहल्ले में शनिवार की रात एक महिला की इलाज के क्रम में सदर अस्तपताल में मौत हो गई। वहीं जब महिला के परिजनों को इसकी जानकारी हुई तो वे सभी भागलपुर जिला के कहलगांव से देर रात मृतक महिला के घर पर पहुंचे और जानकारी ली। घटना की जानकारी मिलते ही कासिम बाजार की थाना पुलिस रविवार की सुबह 9 बजे मृतक महिला के सुसराल अड़गड़ा मोहल्ला पहुंची और मायके और सुसराल वालों से पूछताछ कर मामले की छानबीन में जुटी है।

बताया जाता है मृतक महिला प्रियंका कुमारी की शादी 11 मई 2023 को अरगड़ा निवासी वासुदेव सिंह के पुत्र रोशन से हुई है। मृतक महिला का तीन माह का

बचा भी है। मृतक महिला के परिजनों का आरोप है कि सुसराल वाले मिलकर प्रियंका को मारपीट और दहेज को लेकर प्रताड़ित करता थे। महिला अपने सुसराल नहीं जाना चाहती थी, लेकिन दुर्गा पूजा के दशमी पूजा को सुसराल वालों ने उसे बुला लिया। उसके बाद वहां पीड़िता के साथ मारपीट की गई है।

चलती कार में लगी भीषण आग

अंदर मौजूद थे 4 युवक कूदे

पटना। बिहार के पटना से एक हैरान करने वाला वीडियो सामने आया है। यहां एक चलती कार में आग लग गई। इस कार में 4 युवक मौजूद थे। उन्होंने आनन-फानन में कार से कूदकर अपनी जान बचाई। आग इतनी भीषण थी कि कार पूरी तरह जलकर खाक हो गई।

क्या है पूरा मामला?

पटना में एक चलती कार में लगी आग का वीडियो सामने आया है। कार में मौजूद चार युवकों ने कूदकर अपनी जान बचाई। मिली जानकारी के मुताबिक, कार में शॉर्ट सर्किट की वजह से आग लगी थी। आग की लपटें इतनी तेज थीं कि देखते ही देखते पूरी कार को अपने आगोश में ले लिया।

घटना पटना के बाईपास थाना क्षेत्र के ह॥30 पैजावा नेशनल हाईवे की है। यहां शनिवार की रात एक कार में अचानक आग लग गई। कार में कुल चार युवक सवार थे। युवकों की पहचान कृष्ण मोहन सिंह, शुभम कुमार, मुकुल कुमार और शशि रंजन के रूप में

हुई है।

जैसे ही कार में आग लगी, सभी 4 युवकों ने कार से निकलकर जान बचा ली। इसके बाद घटना की जानकारी स्थानीय थाना को दी गई। पटना फायर फाइटर की चार गाड़ियां मौके पर पहुंचीं लेकिन तब तक कार पूरी तरह जलकर राख हो चुकी थी।

इस दौरान सड़क पर जाम भी लग गया। कार पर सवार कृष्ण मोहन सिंह ने बताया कि पटना से घर बैकुंठपुर लौट रहे थे। रास्ते में नेशनल हाईवे पैजावा के पास कार में अचानक आग लग गई। इसके बाद कार में सवार सभी लोग बाहर निकले। पटना के फायर ऑफिसर गयानंद सिंह ने बताया कि एक कार में शॉर्ट सर्किट से आग लगी थी। फायर फाइटर की चार गाड़ियां पहुंची थीं। आग पर काबू पा लिया गया है। कार में चार युवक सवार थे। कार में मौजूद चारों युवक सुरक्षित हैं।

जॉर्जिया में बिहार की बेटी ने लहराया भारत का परचम

ईरान की खिलाड़ी को कड़ी टक्कर देकर जीता सिल्वर

जॉर्जिया में चल रहे बाटुमि ओपन एशियन इंटरनेशनल वुशू चैंपियनशिप 2024 के सीनियर वीमेंस कैटेगरी में बिहार की बेटी ने देश का मान बढ़ाया है। मुजफ्फरपुर की अपराजिता मिश्रा ने वुशू में ईरान की खिलाड़ी को अंतिम राउंड तक कड़ी टक्कर दी। अंतिम राउंड में हार के कारण वह गोल्ड से दूर रह गईं। उन्हें सिल्वर मेडल हासिल किया। इस साल दुनिया भर के कई देशों ने हिस्सा लिया, जिसकी मेजबान जार्जिया कर रहा है।

नौ देशों के खिलाड़ी शामिल हुए थे

जॉर्जिया के अलावा भारत, ईरान, कजाकिस्तान, बुल्गेरिया सहित कुल नौ देशों के खिलाड़ी शामिल हुए थे। रविवार को हुए वुशू के फाइनल में अपराजिता मिश्रा का बड़ा मुकाबला ईरान की खिलाड़ी से हुआ। इसमें काफी संघर्ष के बाद अपराजिता मिश्रा ईरान की खिलाड़ी से अंतिम राउंड में हार गईं, जिसके बाद उन्हें सिल्वर मिला। इधर, अपराजिता मिश्रा की उपलब्धि पर जिला में खुशी की लहर है।

अपराजिता बिहार की पहली खिलाड़ी है, जिसने सिल्वर जीता

अपराजिता मिश्रा की बड़ी बहन NIS कोच ईशा मिश्रा ने बताया है कि अपराजिता बिहार की पहली खिलाड़ी है जिसको यह मेडल मिला है यह बहुत ही गर्व की बात है। इंटरनेशनल लेवल पर मेडल मिला है और खिलाड़ी को प्रेरणा देने वाला क्षण है। अपराजिता मिश्रा ने बिहार में वुशू खेल के संस्थापक भारतीय जूनियर कोच रहे अपने पिता स्व. दिनेश मिश्रा की इछा पूरी की है और इसको लेकर पूरे परिवार में खुशी की लहर दौड़ पड़ी है। इसके साथ बिहार वुशू एसोसिएशन की महासचिव और अपराजिता मिश्रा की मां सुमन मिश्रा एनआईएस कोच भानु प्रिया, नेशनल मेडलिस्ट आनंद कुमार सपना कुमारी गेशू कुमारी ने अपराजिता मिश्रा को मिली हुई इस शानदार प्रदर्शन और जीत पर उन्हें बधाई दी है।

सीतामढ़ी में शिक्षक के साथ अभद्रता

जूते की माला व चेहरे पर पेशाब करने का आरोप; जांच में जुटी पुलिस

सीतामढ़ी। सीतामढ़ी जिले के बैरगनिया शहर के अशोगी वार्ड-8 निवासी व बनवारी स्कूल के शिक्षक जितेंद्र पासवान के साथ पिटाई का मामला सामने आया है। मारपीट का कुछ वीडियो क्लिप भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। बताया जा रहा है कि उक्त घटना तब हुई जब शिक्षक अपने स्कूल के लिए जा रहे थे। हालांकि, मामले को लेकर दोनों पक्ष से स्थानीय थाना में आवेदन दिया गया है। फिलहाल, पुलिस गहन जांच कर रही है।

दरअसल, दूसरे पक्ष के ओर से भी शिक्षक व उनके परिजन के विरुद्ध कई आरोप लगाए गए है। घटना का कारण पुराना विवाद बताया जा रहा है।

शिक्षक जितेंद्र बताते है कि शनिवार की सुबह 9 बजे अपने पुत्र चिराग पासवान के साथ बाइक से स्कूल जा रहे थे।

इसी दौरान में गांधी नगर के पास अर्जुन पासवान व उनके परिजन घेरकर मारपीट करने लगे। बचाने पहुंची बहन रंजीता देवी के साथ भी मारपीट की गई। उसके बाद जूता का माला पहनाया व चेहरे पर पेशाब कर दिया। बताया गया कि शिक्षक जितेंद्र पासवान के द्वारा पूर्व के मुकदमे को सुलह करने से इंकार करने को लेकर उक्त घटना को अंजाम दिया गया है।

इस सिलसिले में थाना को आवेदन दिया गया है।

इधर दूसरे पक्ष के रूपलाल पासवान की पत्नी शारदा देवी ने थाना को आवेदन देकर कहा है कि सुबह नौ बजे में घर में थी। तभी हल्ला सुनकर बाहर आई तो देखा कि जितेंद्र पासवान, धर्मेंद्र पासवान, रामा पासवान, चिराग पासवान, रंजीता देवी मेरे पुत्र अर्जुन पासवान को बुरी तरह मारपीट कर रहे है, जबकि अर्जुन की मानसिक स्थिति ठीक नहीं है। जब मैं बचाने गयी तो जितेंद्र व धर्मेंद्र ने साड़ी पकड़कर धक्का दे दिया। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है।